Supplement—II

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 15-2018] CHANDIGARH, TUESDAY, APRIL 10, 2018 (CHAITRA 20, 1940 SAKA)

General Review

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा, चण्डीगढ़ की वर्ष 2016–2017 की प्रशासकीय रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 2 फरवरी, 2018

क्रमांक नं० 8/23–2017–पुरा०/393.—

हरियाणा राज्य में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग का उद्भव 1972 में स्वतंत्र रूप से एक निदेशालय के रूप में हुआ। तब से पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में कई विशेष उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

इस विभाग की प्रमुख गतिविधियां पुरातात्विक अवशेषों का अन्वेषण एवं उत्खनन, प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, संग्रहालय सम्बन्धी गतिविधियां तथा पुरावस्तुओं का रसायनिक उपचार करना आदि है।

वर्ष 2016–17 में नॉन प्लान पक्ष पर 160.02 लाख रूपये, प्लान पक्ष पर 517.30 लाख रूपये की बजट व्यवस्था थी तथा केपिटल पक्ष पर 2000 लाख रूपये की बजट व्यवस्था थी। इस राशि के विरूद्व 144.75 लाख रूपये नान प्लान पक्ष पर 304.72 लाख रूपये प्लान पक्ष पर खर्च हुए तथा कैपिटल पक्ष पर रूपये की राशि खर्च हुई थी। विभाग द्वारा 402.48 लाख रूपये की राशि लोक निर्माण विभाग, हरियाणा के माध्यम से सैक्टर–5, पंचकूला में बनाये जाने वाले संग्रहालय के भूमि तल क्षेत्र को बढ़ाने हेतू हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण पंचकूला को दी गई।

वर्ष 2016–17 के दौरान विभाग के द्वारा प्राचीन स्थल कुणाल में भारतीय पुरातात्विक समिति, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली के साथ उत्खनन कार्य किया है। इस उत्खनन से हड़प्पा पूर्व के चित्रित धूसर मृदुभाण्ड संस्कृति (पी.जी. डब्लयू) के अवशेष प्रकाश में आए हैं जिससे भारतीय संस्कृति को हड़प्पा के पूर्व से अग्रणी संस्कृति समझा गया है। इसके अतिरिक्त विभाग ने एक तांबे का सिक्का तहसील राजौंद, जिला कैथल से प्राप्त किया। गांव लादूवास, रतिया, जिला फतेहाबाद से 47 तांबे के सिक्के प्राप्त किए गए। गांव राखीगढी, जिला हिसार से पक्की मिट्टी की 2 सील प्राप्त की गई। एक प्राचीन मूर्ति बहादुरगढ़, जिला झज्जर से प्राप्त की गई।

दिनांक, चण्डीगढ़:

धीरा खण्डेलवाल,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व विभाग।

Review of Administrative Report of Archaeology and Museums Department, Haryana for the Year 2016-2017

The 2nd February, 2018

No. 8/23-2017-Pura/393.—

The Department of Archaeology and Museums, Haryana started functioning as an independent directorate in the year 1972. Since then the Archaeology and Museums Department has made remarkable achievement in different fields of its activities.

The main functions of the Department include excavation and exploration, conservation of ancient monuments/sites, museum activities and chemical treatment of antiquities.

During the period under report a budget provision of Rs. 160.02 Lac was made on the Non-Plan side, 517.30 Lac on Plan side including 2000 lac on capital side against which Rs. 144.75 Lac on Non-Plan, 304.72 Lac on Plan side were spent, Rs. 402.48 lac released to Haryana Urban Development Authority to increase the FAR of State Museum at Sector-5, Panchkula.

During the year 2016-17 Archaeological Excavation has been conducted by the Department at Kunal, Fatehabad in collaboration with Indian Archaeological Society, New Delhi and National Museum, New Delhi. Excavation has revealed the remains of Pre Harappan to Painted Grey Ware culture and were supposed to be the earliest remains of Pre-Harappan culture in India. A part from this one copper coin collected from Rajond District Kaithal. Fourty Seven (47) copper coins were collected from village Ladduwas, Ratia, District Fatehabad. Two (2) Steatite/terraclta seals were collected from village Rakhi Garhi, District Hisar, one ancient sculpture was found from Bahadurgarh, District Jhajjar.

Dated Chandigarh, the

DHEERA KHANDELWAL,
Additional Chief Secretary to Government Haryana.
Archaeology and Museums Department.

56144—C.S.—H.G.P., Chd.